मानव मात्र में सुसंस्कारों का बीजारोपण ही लाएगा स्वर्णिम संसार
–मुख्यमंत्री

मूल्य शिक्षा जागृति शोभायात्रा
(कार्यक्रम का पहला चरण)
मुख्यमंत्री निवास

मुख्यमंत्री निवास पर उनके आमंत्रण पर पधारे मध्यप्रदेश के ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के भाई–बहिनों को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान ने कहा कि आज मैं इस पवित्र अवसर पर बहुत खुश हूँ, आज ऐसा लग रहा है कि वास्तव में भाई दूज है। मैं आप बहिनों का बहुत सम्मान करता हूँ। एक मुख्यमंत्री का कार्य केवल सीमेंट के पुल और रोड़ बनाना नहीं है। जब तक मनुष्य का निर्माण नहीं होगा, तब तक स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने का कार्य पूर्ण नहीं हो सकता है।

आपने आगे कहा कि मैं मुख्यमंत्री का अर्थ राजा नहीं, बल्कि सेवक हूँ। मैं मध्यप्रदेश को मंदिर मानता हूँ। जनता भगवान है उसका पुजारी शिवराज सिंह चौहान है। लोग बेटियों के पैदा होने पर अफसोस करते हैं पर मैंने मध्यप्रदेश में बेटी बचाओं अभियान ईश्वरीय प्रेरणा से चालू किया है बेटी है तो कल है। मैं मानता हूँ कि आज समाज में ज्ञान, कौशल और नागरिकता के संस्कार देने की आवश्यकता है। इसके लिए पुनः हमें आध्यात्मिक मूल्यों की ओर मुड़ना होगा। अपनी अंतरआत्मा की आवाज सुनना जरूरी है और आप उस आवाज को दुनिया में फैला रहे हैं। मैं आपको प्रणाम करता हूँ। विश्व में लोग आत्म हत्याएँ कर रहें हैं। अतः इस आध्यात्म के प्रकाश को फैलाने की आवश्यकता है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउन्ट आबू से पधारें मूल्य शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष, भ्राता मृत्युंजय जी ने मुख्यमंत्री द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि अगर हम रोगमुक्त, भयमुक्त व प्रदूषण मुक्त संसार चाहते हैं तो वर्तमान शिक्षा पद्धति में मूल्य शिक्षा का समावेश मानव हित में परम आवश्यक है। अगर हमारा मन स्वच्छ है तो समाज के वातावरण को हम सुदंर बना सकते हैं। ब्रह्माकुमारी संस्थान म.प्र. की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अवधेश जी ने कहा कि अगर वर्तमान राज्य सत्ता अध्यात्म के साथ हाथ मिला ले, तो निश्चय ही हम धरा पर स्वर्ग लाकर रहेंगे।

मूल्य शिक्षा जागृति शोभा यात्रा का मुख्यमंत्री जी ने शिव ध्वज दिखाकर मुख्यमंत्री निवास से रवाना किया। उल्लेखनीय है कि इस शोभा यात्रा में समस्त मध्यप्रदेश से लगभग 1500 भाई–बहिनों ने भाग लिया। हाथों में मानव मूल्यों से संबंधित स्लोगन व ईश्वरीय ध्वज, नेत्रों में ईश्वरीय प्रेम लिये हुए यह रैली शांतिदूतों की तरह लग रही थी। यह शोभा यात्रा राष्ट्रीय शिक्षाविद् सम्मेलन के आयोजन स्तर मानस भवन पर मानव मूल्यों के सुमधुर गीतों के साथ मानस भवन पहुँची।

शिक्षा पद्धति में
राष्ट्रीय शिक्षाविद् सम्मेलन

(कार्यक्रम का दूसरा चरण)
मानस भवन भोपाल

शिक्षा पद्धति में मूल्यों के समावेश का मैं समर्थन करता हूँ

– उमाशंकर गुप्ता

निरंतर समाज में मूल्यों की गिरावट को देखते हुए वर्तमान शिक्षा पद्धति में मूल्यों का समावेश आवश्यक महसूस किया जा रहा है। हम सब मिलकर मूल्यों को विधिक पाठ्यक्रम के रूप में लागू करने का प्रयास करेंगे। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा सेवा प्रभाग द्वारा मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता : आज की आवश्यकता विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षाविद् सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के गृहमंत्री उमाशंकर जी ने व्यक्त किये।

ब्रह्माकुमारी संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउन्ट आबू से पधारे शिक्षा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजयोगी ब्रह्माकुमार मृत्युंजय जी ने कहा कि चूंकि मानव को दिशा देने का कार्य विशेष रूप से शिक्षा का है इसलिए समाज की वर्तमान दशा के लिए वर्तमान शिक्षा पद्धति उत्तरदायी है। आज शिक्षा में संस्कारों के सुधार की बात लुप्त प्रायः हो गयी है जिसके कारण समाज में असुरक्षा और भय का वातावरण बनता जा रहा है। भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश से मूल्यों का आगाज सारे देश में अपेक्षाकृत ज्यादा प्रभावी ढ़ंग से फैलेगा। आज धरती की हरियाली के साथ–साथ मन को स्वच्छता की भी आवश्यकता है।

इंडियन सोसायटी फॉर टेक्नीकल एजुकेशन के पदाधिकारी ड़ॉ. सुनील कुमार जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान के कार्य को देखकर महसूस होता है कि भले हमने प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी भी उन्नति क्यों न कर ली हो, लेकिन मूल्य शिक्षा के अभाव में हम आज भी पीछे हैं। आर.के.डी. एफ. के कुलपति, ड़ॉ आशीष डोंगरें जी ने कहा कि मूलतः हम सभी आत्मायें निर्दोष हैं। किन्तु कालान्तर में भिन्न सभ्यताओं के प्रभाव में आने से हमारे अन्दर मनोविकारों ने प्रवेश कर लिया है जिसके कारण समाज में अनेकानेक विसंगतियाँ निर्मित हो गयी हैं और मुझे लगता है कि इस कार्य में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज कल्याण मंडल की अध्यक्षा बहिन सरिता देश पाण्डे ने कहा कि मैकाले की शिक्षा को हटा कर अब आवश्यकता है की हम मूल्यों की शिक्षा लें। मैं चाहती हूँ की मध्य प्रदेश की धरती पर अध्यात्म की छटा बिखरे। ब्रह्माकुमारीज मध्य प्रदेश की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अवधेश ने कहा की धरती का श्रृंगार मानव है और मानव का श्रृंगार मूल्य हैं और मूल्यों का श्रृंगार पवित्रता है। इसके अतिरिक्त म.प्र. निजी महाविद्यालय विनीमायक आयोग के अध्यक्ष, भ्राता ए.के. पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मदुरई से पधारे मूल्य शिक्षा के दूरस्थ काय्रक्रम के निदेशक ब्रह्माकुमार पांण्डयामनी जी ने अन्नामलाई विश्व विद्यालय व यशवंत राव चौहान विश्व विद्यालय द्वारा मूल्य शिक्षा एवं

अध्यात्म पर लागू किए गए पाठ्यक्रमों के बारे में बताया। आभार प्रदर्शन म.प्र. विधान सभा सचिव भ्राता अवधेश प्रताप सिंह ने किया। स्वागत भाषण म.प्र. में मूल्य शिक्षा प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका ब्रह्माकुमारी किरण ने दिया। मास्टर नीरज ने मूल्य शिक्षा पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। कुमारी योजना ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी सविता बहन, कार्यकारी सदस्य, शिक्षा प्रभाग माउण्ट आबू ने किया।

कार्यक्रम के पैनल डिस्कशन सत्र में स्वर्णपदक प्राप्त मनो व्यवहार वैज्ञानिक डॉ. अजय शुक्ला, एन.सी.ई.आर.टी. की प्रोफेसर रत्नमाला आर्य, इन्सटीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़ के डिप्टी डायरेक्टर महेश जैन, ब्रह्माकुमार श्री प्रकाश, संपादक, ज्ञानवीणा आध्यात्मिक पत्रिका एवं ब्रह्माकुमारी किरण, क्षेत्रीय संयोजिका मूल्य शिक्षा ने वर्तमान शिक्षा पद्धति में मूल्य शिक्षा को लागू करने में आने वाली चुनौतियों एवं अवसरों पर विमर्श किया।

कार्यक्रम के समापन सत्र में म.प्र. मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष, रसीद खान, पूर्व सचिव म.प्र. शासन मोती सिंह एवं माउण्ट आबू से पधारे शिक्षा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, ब्रह्माकुमार मृत्युंजय, डॉ. लता राठी, डीन, डैन्टल हास्पिटल नागपुर, डॉ. हरीश राठी डेन्टिस्ट नागपुर ने मूल्यों को अपनाने के प्रेरणात्मक उपाय विषय पर अनुभवगम्य विचार प्रस्तुत किए।